प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)
नव-पशुचिकित्सको ने ली पशु एवं समाज कल्याण की शपथ

पंतनगर। २३ जून २०१८। पंतनगर विश्वविद्यालय के पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान महाविद्यालय में ७३वें बैच के ६० विद्यार्थियों का पाठ्यक्रम पूर्ण होने पर आज शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने इस अवसर पर इस बैच के स्नातकों को पशुचिकित्सक के रूप में पशुओं एवं समाज के कल्याण हेतु कार्य किये जाने की शपथ दिलायी। कुलसचिव, डा. ए.पी. शर्मा; अधिष्ठाता पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान महाविद्यालय, डा. जी.के. सिंह; एवं इन्टर्नशिप प्रभारी, डा. मजुल कांडपाल, भी इस अवसर पर मंचासीन थे।

अपने मुख्य अतिथि के सम्बोधन में प्रो. मिश्रा ने प्रसन्नता प्रकट की कि इस बैच में उच्च स्थान प्राप्त करने वाली अधिकतर छात्राऐं हैं। उन्होंने कहा कि सभी चिकित्सा क्षेत्रों में पशुचिकित्सा सर्वोत्तम क्षेत्र है क्योंकि, ये चिकित्सक बेजुबान जानवरों के स्वास्थ्य के लिए काम करते हैं। उन्होंने कहा कि पशुचिकित्सा की शिक्षा का क्षेत्र बहुआयामी है, जिसका पशुओं की देखरेख, मनुष्य स्वास्थ्य, भोजन की उपलब्धता, खाद्य सुरक्षा, जंगली जीवों का जीवन, जैव विविधता इत्यादि में योगदान रहता है। इसके साथ ही इस क्षेत्र ने देश की आर्थिक समृद्धि और देश में बेरोजगारी व गरीबी को कम करने में भी अपना योगदान दिया है। उन्होंने उम्मीद जताई की पशुचिकित्सक अपनी व्यवसायिक क्षमता की श्रेष्ठता बनाये रखते हुए विश्वविद्यालय का नाम देश और विदेश में रौशन करेंगे। अंत में उन्होंने सभी नव-स्नातकों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर कुलसचिव डा. शर्मा ने महाविद्यालय के संकाय सदस्यों द्वारा अपने कार्य एवं अनुभव से विद्यार्थियों को ५ वर्ष में पशुचिकित्सक के रूप में परिवर्तित करने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पशुचिकित्सक बनने के उपरान्त उनकी भूमिका और जिम्मेदारी और भी अधिक बढ़ गई है क्योंकि, अब उनके सामने पशुओं की भलाई के साथ-साथ मनुष्यों को स्वस्थ रखने की चुनौतियां हैं, जिनका उनको सामना करना है। उन्होंने आशा प्रकट की कि उत्तीर्ण हुए विद्यार्थी अपने ज्ञान से समाज में कुशल पशुचिकिसक की कमी को पूरा करेंगे और समाज की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे। डा. शर्मा ने सभी नव-स्नातकों के सुखद भविष्य के लिए अपनी ओर से शुभकामनाएं दीं।

डा. जी.के. सिंह ने इस अवसर पर अपने स्वागत भाषण में कहा कि विद्यार्थियों ने ज्ञान अर्जित किया है, उससे वे समाज और देश का विकास करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थी अपना लक्ष्य तय कर स्वयं अपना रास्ता बनाकर उस पर चलेंगे क्योंकि, उन सभी को समाज और देश के लिए बहुत कुछ करना है। उन्होंने कहा कि वे अपने निजी जीवन के साथ आज ली गयी शपथ को ध्यान में रखते हुए समाज के प्रति अपने कर्तव्य का निवार्ह पुरे विश्वास के साथ करेंगे। नव-स्नातकों को युवा शक्ति बताते हुए उन्हें देश के विकास में योगदान देने के लिए उन्होंने कहा। डा. सिंह ने उत्तीर्ण हुए सभी विद्यार्थियों को पशुओं व समाज की सेवा का कार्य निःस्वार्थ रूप से करते रहने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम में इस बैच के तीन विद्यार्थियों को शैक्षणिक उत्कृष्टता के आधार पर कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा, द्वारा सम्मानित किया गया, जिनमें पहले स्थान पर अरूना कुनियाल, दूसरे स्थान पर सौरभ तिवारी तथा तीसरे स्थान पर स्मृति चंद थी। इस अवसर पर खेल, वाद-विवाद एवं अन्य प्रतियोगिताओं के विजेताओं यथा, कुमारी सुष्मिता नौटियाल, कुमारी इशा सिन्हा, कुमारी चांदनी बहुगुणा, कुमारी रिमझिम खंडूरी एवं श्री सुरेन्द्र राठौर, का विशेष उल्लेख किया गया। कार्यक्रम का संचालन इन्टर्नशिप प्रभारी, डा. मंजुल कांडपाल, के द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के विभागाध्यक्ष एवं शिक्षक उपस्थित थे। कार्यक्रम को विरबैक फार्मास्यूटिकल द्वारा प्रायोजित किया गया।

पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान महाविद्यालय के ९३वें बैच के विद्यार्थी पशु एवं समाज कल्याण की शपथ ग्रहण करते हुए।

शैक्षणिक उत्कृष्टता के आधार पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली अरूना कुनियाल को सम्मानित करते कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा, कुलसचिव, डा. ए.पी. शर्मा एवं अधिष्ठाता पशुचिकित्सा, डा. जी.के. सिंह।